

कितनी कशिश हैं तुझमें बिहारी

कितनी कशिश हैं तुझमें बिहारी,
मेरा मन मोह गई सूरत तिहारी,
आजा श्याम.. आजा श्याम रे आजा श्याम....

बार बार देखूँ तुमको आखों में निहार लूँ,
बार बार देखूँ तुमको नैनों से निहार लूँ,
जी करता हूँ प्यारे नज़र उतार लूँ,
लेके बलैया तेरी जाऊँ वारी वारी,
मेरा मन मोह.....

जब तक नैनों के दीप जले मेरे,
हर पल दीदार करूँ साँवरे मैं तेरे,
चरणों में तेरे प्यारे अर्जी हमारी,
मेरा मन मोह.....

रूप के समुन्द्र में मैं डूब जाऊँ,
तेरे सिवा प्यारे किसी को ना चाहूँ,
रहमत हमेशा मुझपे रखना बिहारी,
मेरा मन मोह.....

आजा तोहे आँचल की छांव में छिपालूँ,
अपना बनालो तोहे सीने से लगा लूँ,
'पवन' की तमन्ना पूरी करदो बिहारी,
'नीलम' की तमन्ना पूरी करदो बिहारी,
मेरा मन मोह.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25699/title/kitni-kashish-hai-tujhme-bihari>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |